सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-7	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:9

मौखिक

प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) गाँव का चौधरी गाड़ी भर कर लकड़ियाँ शहर में बेचने आया।

(ख) सेठ लकड़ियों के साथ गाड़ी और बैल लेने की अपनी बात पर अड़ा रहा।

(ग) चौधरी का छोटा बेटा अगले दिन बैलगाड़ी में लकड़ियाँ भर कर शहर गया। उसने नगर के उसी चौक पर गाड़ी खड़ी की जहाँ उसके पिता ने खड़ी की थी।

(घ) गाड़ी के दाम सेठ को बताकर चौधरी के बेटे ने मन ही मन सोचा कि अब इसे जिंदगी भर के लिए लकड़ियाँ खरीदना न भुला दिया तो अपना यह मुँह लेकर घर नहीं जाऊँगा।

(ङ) जब सेठ की मुट्ठियों पर हँसिए का रगड़ा पड़ा तो उसने कहा-छोड़ दे चौधरी गलती हो गई। कल के गाड़ी बैल भी ले जा मैंने तो मजाक किया था।

लिखित

प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) सेठ ने चौधरी को बैल और गाड़ी न ले जाने का तर्क देते हुए कहा-मैंने तुझसे गाड़ी का मोल पूछा था। उस समय लकड़ियों से भरी गाड़ी में बैल जुते हुए थे। मैंने गाड़ी और बैलों को पूरी कीमत चुकाई है। अब ये मेरे हैं।

(ख) सेठ के द्वारा पिता को ठगे जाने की बात सुनकर चौधरी के बेटों को बहुत क्रोध आया। उन्होंने कहा चलो हमें सेठ की हवेली दिखा दो। हम उसकी ईंट से ईंट बजा देगें। उसकी गाड़ी और बैल रखने की हिम्मत कैसे हुई।

(ग) चौधरी के छोटे बेटे ने बदला लेने के लिए गाड़ी की कीमत दो मुट्ठी टके बताई। जब चौधरी मुट्ठी खोल कर टके देने लगा तो उसने कहा कि मुट्ठियाँ तो टके के साथ जाएँगी। हँसिया निकालकर उसने सेठ की कलाई पर हलका सा रगड़ा दिया। इससे सेठ घबरा गया।

(घ) चौधरी के बेटे ने गाड़ी का मूल्य दो मुट्ठी टके बताया था। वह अपने बताए मूल्य के अनुसार मुट्ठियाँ भी टकों के साथ ले जाना चाहता था। इसलिए वह सेठ को मुट्ठियाँ नहीं खोलने दे रहा था।

(ङ) चौधरी के बेटें ने सेठ को दंड देते हुए कहा कि मेरे पैरों में पगड़ी रखकर सात बार नाक रगड़ों। इसके साथ ही पाँच सौ रुपय और कल जो गाड़ी और बैल हड़पे थे वे भी वापस करो।

(च) गाड़ी के अलावा सेठ ने चौधरी के बेटे को पाँच सौ रुपये और दिए।

किसने किससे कहा

(क) चौधरी ने सेठ से कहा।

(ख) सेठ ने चौधरी से कहा।

(ग) चौधरी के बड़े बेटे ने चौधरी से कहा।

(घ) चौधरी के छोटे बेटे ने अपने भाइयों से कहा।

(ङ) सेठ मुट्ठियाँ मत खोलो।

जीवन मूल्य परक प्रशन

सेठ का बूढ़े चौधरी के साथ किया गया व्यवहार उचित नहीं था। किसी के सीधेपन का लाभ उठाकर उसे धोखा देना ठीक नहीं है। बोलचाल की भाषा के प्रयोग को तोड़-मरोड़ कर अपने पक्ष में करना भले मनुष्यों को शोभा नहीं देता।